Date: 31.1.2022	**Publication:** Dainik Bhaskar
Page no.: 9	**Edition:** New Delhi
Headline: Factors impacting two-wheeler insurance	

मोटर बीमा इंजन की क्षमता के हिसाब से तय होते हैं थर्ड पार्टी इंश्योरेंस प्रीमियम के स्लैब रेट्स

दोपहिया का इंजन दमदार तो इंश्योरेंस प्रीमियम भी ज्यादा

यदि आपके पास दोपहिया है तो मोटर इंश्योरेंस भी होगा। साल-दर-साल मोटर इंश्योरेंस की लागत बढ़ती जा रही है। यह लागत कई चीजों पर निर्भर करती है, आइए इनके बारे में जानते हैं...

1 गाड़ी की कीमत

दोपहिया के दाम फीचर्स, स्पेशलाइजेशन और मॉडल पर निर्भर करते हैं। चूंकि इंश्योरेंस गाड़ी की कीमत कवर करता है, लिहाजा इसका प्रीमियम सीधे-सीधे गाड़ी की कीमत के अनुपात में होता है। इसका मतलब है कि 75,000 रुपए के दोपहिया की बीमा लागत 1 लाख रुपए के दोपहिया की बीमा लागत से कम होगी।

2 इंजन की क्षमता

दोपहिया वाहन इंजन की क्यूबिक कैपिसिटी (सीसी) जितनी ज्यादा होगी, इंश्योरेंस का प्रीमियम भी उतना ही अधिक होगा। मसलन 75 सीसी की बाइक का इंश्योरेंस प्रीमियम 350 सीसी की बाइक के मुकाबले काफी कम होगा। बीमा नियामक इरडा ने थर्ड पार्टी इंश्योरेंस प्रीमियम के लिए इंजन की क्षमता के हिसाब से स्लैब रेट्स तय कर रखे हैं। इलेक्ट्रिक दोपहिया का थर्ड पार्टी प्रीमियम किलो वॉट (केडब्ल्यू) से तय होता है।

3 गाड़ी कितनी पुरानी है

दोपहिया जितना पुराना होता है, उसकी कीमत उसी के हिसाब से कम होती जाती है। यह रेट ऑफ डिप्रेकेशन कहलाता है, जिसके आधार पर इंश्योरेंस प्रीमियम भी घटता जाता है। 6 महीने से कम पुराने दोपहिया का रेट ऑफ डिप्रेकेशन 5% से शुरू होता है और 5 साल से ज्यादा पुरानी गाड़ी के लिए यह रेट 50% तक जाता है।

4 आईडीवी

इंश्योर्ड डिक्लेयर्ड वैल्यू (आईडीवी) वह अधिकतम राशि होती है, जो दोपहिया पूरी तरह क्षतिग्रत होने या चोरी होने पर बीमा कंपनी आपको चुकाती है। आईडीवी इंश्योरेंस रिन्यूअल के दौरान हर साल आंकी जाती है। इसमें रेट ऑफ डिप्रेकेशन का ध्यान रखा जाता है। आईडीवी जितनी कम होगी मोटर इंश्योरेंस का प्रीमियम भी उतना ही कम होगा।

5 नो क्लेम बोनस

इंश्योरेंस कंपनी हर क्लेम-फ्री साल के लिए आपको नो क्लेम बोनस (एनसीबी) देती है। पहले साल के लिए यह 20% होता है और यदि आपने लगातार पांच साल कोई क्लेम नहीं किया तो मोटर इंश्योरेंस प्रीमियम अधिकतम 50% कम हो जाएगा। यानी यदि आप संभल कर दोपहिया चलाते हैं तो न केवल परेशानियों से बचेंगे, बल्कि इंश्योरेंस की कम लागत के तौर पर अच्छी-खासी बचत भी कर लेंगे।

6 एड-ऑन कवर्स

एड-ऑन इंश्योरेंस कवर में रोडसाइड असिस्टेंस, जीरो डेप्रिसिएशन, मेडिकल कवर, इंजन प्रोटेक्शन आदि शामिल होते हैं। लेकिन इनके लिए बीमा कंपनियां अलग कीमत वसूलती हैं। इसलिए यदि आप एड-ऑन कवर्स लेते हैं तो इंश्योरेंस का प्रीमियम बढ़ जाएगा।

गुरदीप सिंह बत्रा
हेड-रिटेल अंडरराइटिंग, बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस